



भारत का राजपत्र The Gazette of India

साप्ताहिक/WEEKLY

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 12—जून 18, 2004 (ज्येष्ठ 22, 1926)

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 12—JUNE 18, 2004 (JYAISTHA 22, 1926)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

विषय-सूची

भाग I--खण्ड-1--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों तथा संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	585	को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं	"
भाग I--खण्ड-2--(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	581	भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (iii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (जिसमें रक्षा मंत्रालय भी शामिल है) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियमों और सांविधिक आदेशों (जिनमें सामान्य स्वरूप की उपविधियां भी शामिल हैं) के हिन्दी प्राधिकृत पाठ (ऐसे पाठों को छोड़कर जो भारत के राजपत्र के खण्ड 3 या खण्ड 4 में प्रकाशित होते हैं)	"
भाग I--खण्ड-3--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संकल्पों और असांविधिक आदेशों के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	3	भाग II--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश	"
भाग I--खण्ड-4--रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई सरकारी अधिकारियों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि के सम्बन्ध में अधिसूचनाएं	755	भाग III--खण्ड-1--उच्च न्यायालयों, निबंधक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार से सम्बन्ध और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	501
भाग II--खण्ड-1--अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	"	भाग III--खण्ड-2--पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी की गई पेटेंटों और डिजाइनों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं और नोटिस	4293
भाग II--खण्ड-1क--अधिनियमों, अध्यादेशों और विनियमों का हिन्दी भाषा में प्राधिकृत पाठ	"	भाग III--खण्ड-3--मुख्य आयुक्तों के प्राधिकार के अधीन अथवा द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	"
भाग II--खण्ड-2--विधेयक तथा विधेयकों पर प्रवर समितियों के बिल तथा रिपोर्ट	"	भाग III--खण्ड-4--विधिक अधिसूचनाएं जिनमें सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं	2915
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (i)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सामान्य सांविधिक नियम (जिनमें सामान्य स्वरूप के आदेश और उपविधियां आदि भी शामिल हैं)	"	भाग IV--गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी निकायों द्वारा जारी किए गए विज्ञापन और नोटिस	165
भाग II--खण्ड-3--उप खण्ड (ii)--भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) और केन्द्रीय प्राधिकरणों (संघ शासित क्षेत्रों के प्रशासनों	"	भाग V--अंग्रेजी और हिन्दी दोनों में जन्म और मृत्यु के आंकड़ों को दर्शाने वाला सम्पूर्ण	"

CONTENTS

PART I—SECTION 1—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	585	PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (iii)—Authoritative texts in Hindi (other than such texts, published in Section 3 or Section 4 of the Gazette of India) of General Statutory Rules & Statutory Orders (including Bye-laws of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (including the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than Administration of Union Territories)	*
PART I—SECTION 2—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	581	PART II—SECTION 4—Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence	*
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Resolutions and Non-Statutory Orders issued by the Ministry of Defence	3	PART III—SECTION 1—Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India	501
PART I—SECTION 4—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministry of Defence	755	PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, relating to Patents and Designs	4293
PART II—SECTION 1—Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	*
PART II—SECTION 1A—Authoritative texts in Hindi languages of Acts, Ordinances and Regulations	*	PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	2915
PART II—SECTION 2—Bills and Reports of the Select Committee on Bills	*	PART IV—Advertisements and Notices issued by Private Individuals and Private Bodies	165
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules including Orders, Bye-laws, etc. of general character issued by the Ministry of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*	PART V—Supplement showing Statistics of Births and Deaths etc. both in English and Hindi	*
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administration of Union Territories)	*		

भाग I—खण्ड I

[PART I—SECTION 1]

[(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएं]

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 मई 2004

सं. 99-प्रेज/2004--राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को "उत्तम जीवन रक्षा पदक" पुरस्कार दिए जाने का अनुमोदन करते हैं :--

1. श्रीमती निर्मला देवी

ग्राम-पीपली, डाकघर-ग्रोह
तहसील-सदर, जिला-मण्डी
हिमाचल प्रदेश

17.4.2003 को श्रीमती निर्मला देवी ने, जो अपने घर के नजदीक घास काट रही थी, देखा कि श्री यादविन्दर कुमार (गड़रिया) पर एक तेंदुए ने हमला कर दिया है। अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना श्रीमती निर्मला देवी दौड़ी-दौड़ी वहां गयीं और अपने हंसिए से तेंदुए पर चार किया। तेंदुए ने उस लड़के को तो छोड़ दिया लेकिन उनकी ओर झपट पड़ा। श्रीमती निर्मला देवी ने बड़ी बहादुरी से तेंदुए का मुकाबला किया और उसे अपने हंसिये से मार गिराया। इस प्रक्रिया में उन्हें गहरी चोटें आईं। श्रीमती निर्मला देवी ने अनुकरणीय साहस एवं साहस का परिचय दिया तथा अपनी जान जोखिम में डालकर एक लड़के की जान बचायी।

2. श्री नरेन्द्र कुमार आर्य

ग्राम व डाकघर उमरी
परगना-धामपुर, थाना नूरपुर, जिला बिजनौर
उत्तर प्रदेश

(मरणोपरांत)

पेट्रोल/डीजल की एक दुकान में 3.5.2000 को आग लग गयी। दुकानदार की पत्नी और बच्चे आग में फंस गये। श्री नरेन्द्र कुमार आर्य, जो उस समय वहां मौजूद थे, आग में फंसे लोगों को बचाने के लिए दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे। तथापि इस प्रक्रिया में वह गम्भीर रूप से आग से झुलस गए और उनकी मृत्यु हो गयी। श्री नरेन्द्र कुमार आर्य ने अग्नि काण्ड में फंसे कुछ व्यक्तियों की जान बचाने में असाधारण साहस और वीरता का परिचय दिया तथा प्रक्रिया में अपने जीवन का बलिदान दे दिया।

3. मास्टर रियाज़ अहमद

106, कसाईबाड़ा शरीफ, बेकरी के नजदीक
अमीनाबाद, लखनऊ
उत्तर प्रदेश

16.1.2003 को मास्टर रियाज़ अहमद ने नजदीक की एक रेल-पटरी पर गाड़ी आती देखी। इसी पटरी पर श्री शम्बीर अली की बेटी बेबी साजिया खड़ी थी। मास्टर रियाज़ अहमद ने चीखकर बच्ची को उस पटरी से हट जाने को कहा। श्री रियाज़ बच्ची को बचाने के लिए दौड़े। तथापि, उनका पैर रेलवे लाइन में फंस गया और उस बच्ची की जान बचाने के प्रयास में उनका एक पैर और दोनों हाथ कट गए। मास्टर रियाज़ अहमद ने अपने प्राणों को खतरे में डालकर एक बच्ची की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया और इस कार्य में अपने अंगों को खो दिया।

4. चालक ओमप्रकाश

116, सड़क निर्माण कम्पनी (जीआरईएफ)

तेज-हयलियांग रोड पर निर्माणाधीन 220 फुट का तीन-तीन लेन वाला बेली ब्रिज 7.4.2002 को अपने ही वजन से बह गया। दुर्घटना के समय लगभग 50 व्यक्ति पुल पर मौजूद थे। पुल के साथ ही अधिकांश लोग नदी में जा गिरे। लगभग 30-35 आदमी बहे हुए पुल के मलबे में गर्दन तक गहरे पानी में फंस गये। चालक एमटी ओमप्रकाश, जो घटनास्थल पर अपने ओसी तथा कुछ अन्य लोगों के साथ उपस्थित था, लोगों को पुल से निकालकर नदी के किनारे लाने के कार्य में जुट गया। वह 10-15 घायल लोगों को किनारे तक लाने में कामयाब रहा। चालक एमटी ओमप्रकाश ने अनुकरणीय साहस का परिचय दिया तथा बहादुरी से कई लोगों की जान बचायी।

5. चालक महेन्द्र

116, सड़क निर्माण कम्पनी (जीआरईएफ)

हयलियांग-चांगविन्टी रोड पर 3,800 कि.मी. स्लाइड क्लीयरेंस के ऊपर से गुजर रहे लो-टेन्शन केबल 24.9.2002 को टूट कर गिर पड़े। श्री सैण्डो राइका, एक दिहाड़ी मजदूर उन तारों में फंस गया तथा बिजली के करेन्ट की जकड़ में आ गया। श्री महेन्द्र, चालक एमटी जो उस समय घटनास्थल पर मौजूद था, दौड़कर उसके पास गया तथा अपनी बैट तथा लकड़ी के एक छोटे से डंडे से तारों को हटकर उस मजदूर को बचा लिया। श्री महेन्द्र, घायल व्यक्ति को लेकर तुरन्त यूनिट एमआई कक्ष पहुंचा जहां उसे प्राथमिक उपचार दिया गया और इस प्रकार उसकी जान बच गयी। श्री महेन्द्र ने अपनी जान को खतरे में डालकर एक व्यक्ति को बिजली के करंट से बचाने में उच्चकोटि के साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

वरुण मिश्रा
निदेशक

संख्या 100-प्रेज/2004 – राष्ट्रपति निम्नलिखित व्यक्तियों को “जीवन रक्षा पदक” पुरस्कार दिए जाने का अनुमोदन करते हैं:-

1. मास्टर अभिनव गोगोई
गांव सं0 1 चाउलकारा,
डाकघर कोनवेरपुर
जिला और थाना— शिवसागर, असम

20.3.2003 को मास्टर अभिनव गोगोई अपने दो वर्षीय कजिन अभिजीत भुयान के साथ खेल रहा था। अचानक मास्टर अभिजीत भुयान पानी से भरे हुए कुएं में गिर पड़ा। अभिनव गोगोई अपनी जान की परवाह किए बिना अपने कजिन को बचाने के लिए कुएं में कूद गया। मास्टर गोगोई ने अपनी जानी को जोखिम में डालकर डूबने से एक बच्चे की जान बचाने में साहस और तत्परता का परिचय दिया।

2. श्री मुकेश कुमार
मार्फत छजू राम, गली नं0 1,
नई बस्ती, हलवास गेट,
भिवानी-127021, हरियाणा

17.3.2003 को पी.जी. कालेज, भिवानी के एक विद्यार्थी श्री मुकेश कुमार ने भिवानी रेलवे स्टेशन पर अपनी ट्रेन की प्रतीक्षा करते हुए देखा कि पांच वर्ष का एक बच्चा रेल की पटरियों के बीच खेल रहा है। अचानक उसने देखा कि एक ट्रेन उस ओर आ रही है जो बच्चे से मुश्किल से 30 फुट की दूरी पर ही थी। तेजी से आती हुई ट्रेन बच्चे को कुचलने ही वाली थी कि श्री मुकेश कुमार तुरन्त बच्चे को बचाने के लिए दौड़े। हालांकि, उन्होंने बच्चे को बचा लिया किन्तु उनके अपने सिर पर गहरी चोट आ गई। श्री कुमार ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की परवाह किए बिना एक बच्चे की जान बचाने में अनुकरणीय साहस और तत्परता का परिचय दिया।

3. कुमारी अल्का शर्मा
गांव एवं डाकघर जानसूह, तहसील नौदौन,
जिला हमीरपुर,
हिमाचल प्रदेश

7.9.2002 को कुमारी मोनिका अपनी सहपाठिन कुमारी अल्का शर्मा के साथ अपनी आंटी के घर जा रही थी। मान खड्ड पार करते हुए कुमारी अल्का की सहपाठिन तेजी से बहते हुए पानी में जा गिरी। कुमारी अल्का अपनी सहेली को बचाने के लिए खड्ड में कूद गई। उसने बेहोशी की हालत में अपनी सहेली को खड्ड के किनारे की ओर खींच लिया। कुमारी अल्का ने अपनी जान को जोखिम में डालकर डूबने से एक लड़की की जान बचाने में बहादुरी और साहस का परिचय दिया।

4. श्री वरगीज एंटोनी
कलातिल हाउस, बेरूर डाकघर,
वडक्केकरा, चंगलाचेरी,
अलप्पुझा, केरल

7.3.2001 को मास्टर मनु मेथ्यु थोट्टुकडविल अद्यानक अपने स्कूल के निकट एक गहरी नहर में जा गिरा। मास्टर मनु की एक सहपाठिन कुमारी शान्ति वरगीज ने मदद के लिए पुकार की। उसकी पुकार सुनकर स्कूल के एक अध्यापक श्री वरगीज एंटोनी तुरन्त वहां दौड़े आए और इस बात की परवाह किए बिना कि उन्हें तैरना नहीं आता नहर में कूद गए। काफी प्रयास के बाद उन्होंने बच्ची को डूबने नहीं दिया और उसकी जान बचा ली। श्री वरगीज एंटोनी ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक बच्ची की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

5. श्री पी0 एम0 मणि
पलरिल हाउस, डाकघर — अष्टमिचिरा,
त्रिस्सूर जिला— 680731, केरल

30.5.2002 को 10 वर्षीय एक लड़का मास्टर अनूप एक कुएं में जा गिरा। बचाने के लिए उसकी पुकार सुनकर निकटवर्ती सिरेमिक कंपनी के एक कामगार श्री पी0 एम0 मणि तुरन्त मौके पर दौड़े आए और लड़के को बचाने के लिए कुएं में कूद पड़े। श्री मणि थक कर धूर हो गए थे और वह लड़के को कुएं से बाहर नहीं निकाल सके। तथापि, उन्होंने लड़के को तब तक पकड़े रखा जब तक कि अन्य लोग वहां पहुंच नहीं गए और उन्होंने उन्हें कुएं से बाहर नहीं खींच लिया। श्री पी0 एम0 मणि की समय पर और साहसपूर्ण कार्रवाई के कारण एक दस वर्षीय लड़के को डूबने से बचा लिया गया।

6. मास्टर अमित शंकर श्रीवास्तव
हनुमान गली, कंठ रोड, लखर,
ग्वालियर, मध्य प्रदेश
7. मास्टर सुमित शंकर श्रीवास्तव
हनुमान गली, कंठ रोड, लखर,
ग्वालियर, मध्य प्रदेश

4.8.2002 को बिजली की एक तार श्री मुकेश बाल्मीकि पर आ गिरी। करंट वाली तार की छपेट में आ जाने से उनके हाथ में जोर का झटका लगा। उन्होंने सहायता के लिए चीख-पुकार की। मास्टर सुमित और मास्टर अमित ने उनकी चीख-पुकार सुनी और वे उन्हें बचाने के लिए दौड़े आए। वे एक लकड़ी की छड़ ले आए और उन्होंने श्री मुकेश के हाथ पर लिपटी तार को हटाने की कोशिश की। काफी कोशिशों के बाद उन्होंने तार को मुकेश के हाथ से अलग कर दिया। मास्टर अमित और मास्टर सुमित ने छड़ से बिजली की तार हटाई और श्री मुकेश को नाले से बाहर निकाला। मास्टर अमित और मास्टर सुमित ने अपनी जान को जोखिम में डालकर बिजली का करंट लगने से एक व्यक्ति की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

8. श्री संजय बर्मन
मकान सं0 26/27, निकट पादुका मन्दिर,
ग्वारीघाट, झंडा चौक,
जबलपुर, मध्य प्रदेश

15.6.2003 को ग्वारीघाट पर स्नान करते समय कुछ व्यक्ति नर्मदा नदी में तेज प्रवाह के कारण डूबने लगे। सहायता के लिए उनकी चीख-पुकार सुनकर श्री संजय बर्मन डूबते हुए व्यक्तियों को बचाने के लिए नदी में कूद गए। वे एक-एक करके चार व्यक्तियों को बचाने में सफल हो गए। श्री बर्मन ने अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डालकर चार व्यक्तियों की डूबने से जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

9. मास्टर सत्यम महेन्द्र खान्डेकर,
ए एल-5-4-3 पंचदीप अपार्टमेंट्स,
सेक्टर 17, ऐरोली,
नवी मुम्बई-400 708, महाराष्ट्र

6.5.2003 को मास्टर सत्यम अपने पिता के साथ तैरने के लिए नवी-मुम्बई में राजेश हैल्थ क्लब गया। मास्टर सत्यम ने अभी केवल एक माह का प्रशिक्षण पूरा किया था तथा वह अभी तैराकी सीखने के अपने प्रारंभिक दिनों में चल रहा था। यकायक उसने एक बच्चे को पानी में डूबते हुए देखा। मास्टर सत्यम उस बच्चे की सहायता करने के लिए फौरन तालाब में कूद गया। उसने उस बच्चे को पकड़ लिया तथा सीढ़ियों की ओर खींचते हुए सहायता के लिए गुहार लगाना शुरू कर दिया। सहायता के लिए उसकी गुहार सुनकर कोच घटना स्थल की तरफ दौड़ा तथा उसने डूबते हुए बच्चे को पानी से बाहर खींच लिया। अपनी अल्पायु के बावजूद मास्टर सत्यम ने डूबने से एक बच्चे की जान बचाने में अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय दिया।

10. श्री अशोक कुमार
गोविन्द नगर, कैम्पबैल बे,
ग्रेट निकोबार आइलैण्ड

11.3.2003 को यात्रियों को पोंटून से लगी एक छोटी नौका द्वारा कैम्पबैल बे जेटी से एमवी हर्षवर्धन जहाज पर ले जाया जा रहा था। समुद्र बहुत तूफानी हो रहा था। एक यात्री श्री परमजीत सिंह जहाज एवं नौकापुल पोंटून के बीच समुद्र में फिसल गया। उस समय जहाज से उतर रहे श्री अशोक कुमार समुद्र में कूद गए तथा उन्होंने श्री परमजीत सिंह को पकड़ लिया और उसे पोंटून की ओर खींच लाए और इस प्रकार श्री परमजीत सिंह की जान बचाई। श्री अशोक कुमार ने अपनी स्वयं की जान को जोखिम में डालकर श्री परमजीत सिंह की जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

11. श्री कमला प्रसाद
मिलट्री हॉस्पिटल,
अमृतसर, पंजाब

29.1.2003 को हवलदार कमला प्रसाद ने देखा कि उसके पड़ोसी के घर के बाहर भारी भीड़ लगी हुई है और लोग चिल्ला रहे हैं कि घर के अन्दर एल पी गैस रिस रही है। घर के अन्दर एक बच्चा फंसा गया था। अपनी निजी सुरक्षा के बारे में एक पल भी सोचे बिना, हवलदार प्रसाद मकान के अन्दर घुस गए। जैसे ही उन्होंने कमरे में प्रवेश किया वैसे ही एक धमाका हुआ तथा कमरे में आग फैल गई। उन्होंने बच्चे को आग में फंसा पाया। हवलदार प्रसाद ने तत्काल बच्चे को उठा लिया तथा उसे आग से बचाते हुए बाहर निकाल लाए। इस प्रक्रिया में उनका चेहरा, गरदन, हाथ एवं जांघें बुरी तरह जल गयीं। हवलदार प्रसाद ने आग की दुर्घटना में एक बच्चे की जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

12. श्री परमेश्वरन मनोकरन

146, न्यू कालोनी, डोड्डाना नगर,

(मरणोपरान्त)

कवल, बीरसन्दा पोस्ट,

बंगलौर-560 032, कर्नाटक

7.5.2003 को एक चार वर्षीय लड़की दुर्घटनावश एक कुएं में जा गिरी। सहायता के लिए उसकी आवाज़ सुनकर एक राहगीर बच्ची को बचाने के लिए कुएं में उतरा। तथापि, वह व्यक्ति भी कुएं में फंस गया। तत्पश्चात् श्री परमेश्वरन ने सहायता के लिए थिल्लाने की आवाज़ें सुनीं। उसने तुरन्त एक रस्ती ली तथा बच्ची एवं दूसरे व्यक्ति को बचाने के लिए कुएं में उतर गया। जैसे ही वह कुएं के अन्दर गया, वह भी कुएं में मौजूद भभके के प्रभाव में आ गया तथा डूब गया। श्री परमेश्वरन मनोकरन ने दो व्यक्तियों की जान बचाने में अदम्य साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया तथा इस प्रक्रिया में अपने जीवन का बलिदान कर दिया।

13. श्री देवानंद तिवारी

लांघर सैक्शन,

2212 स्कवाड्रन, एयर फोर्स,

मार्फत 56 ए पी ओ

6.9.2003 को श्री देवानंद तिवारी जन शताब्दी एक्सप्रेस में नई दिल्ली से देहरादून की यात्रा कर रहे थे। जब रेलगाड़ी देवबंद स्टेशन पर पहुंच रही थी तो यह पटरी से उतर गई। जिस कम्पार्टमेंट में श्री तिवारी यात्रा कर रहे थे वह दो बार पलटने के बाद एक पुल के किनारे से उल्टा जा लगा। दहशतमंद यात्रियों ने जैसे ही बाहर निकलने का प्रयास किया, कम्पार्टमेंट असंतुलित हो गया। श्री तिवारी ने खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए तथा एक-एक करके घायल यात्रियों को बाहर निकालने में सहायता की। यात्रियों को बचाने के बाद वे स्वयं सबसे बाद में बाहर आए। श्री देवानंद तिवारी ने एक रेल दुर्घटना में 20 यात्रियों की जान बचाने में अदम्य साहस एवं सूझबूझ का परिचय दिया।

14. मास्टर राम नयन यादव

ग्राम आराजी दूही,

धर्मपुर एहतमाली,

पोस्ट दुबोलिया बाजार,

जनपद बस्ती-272141

उत्तर प्रदेश

4.8.2002 को 10 वर्ष से कम आयु के तीन बच्चे मास्टर कल्लू, मास्टर संतोष तथा मास्टर राघव राम, घाघरा नदी में स्नान करने के लिए गए। नदी में बाढ़ आई हुई थी अतः नदी का बहाव बच्चों को बहाकर ले गया और वे डूबने लगे। मास्टर राम नयन यादव जो पास ही के खेत में काम कर रहा था, भागकर वहां आया। उसने नदी में छलांग लगा दी तथा बच्चों को खींचकर पानी से बाहर निकाला और उनकी जान बचायी। मास्टर राम नयन यादव ने तीन डूबते हुए लड़कों की जान बचाने में साहस एवं वीरता का परिचय दिया।

15. कु० सुरमया यू.आर.

सत्यभामा, घेरमकुलनगर

डाकघर—परुथीपुल्लै, पालक्काड—678573

केरल

12.12.2003 को कुमारी अखिला अपनी सहपाठिन कुमारी सुरमया के साथ पास की एक नहर में स्नान करने के लिए गई। कुमारी अखिला पानी में गिर पड़ी तथा वह डूबने लगी। एक कुशल तैराक न होते हुए भी अपनी सहपाठिन को बचाने के लिए कुमारी सुरमया नहर में कूद पड़ी। कुछ संघर्ष के उपरान्त, वह कुमारी अखिला का हाथ पकड़ने में सफल रही तथा उसे खींचकर नहर के किनारे पर लाई और इस प्रकार उसकी जान बचाई। कुमारी सुरमया यू. आर. ने अपनी सहपाठिन की जान बचाने के लिए अपनी जान को जोखिम में डालकर साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

16. कुमारी सिक्यूटीडारिस लिंगखोई

मरकासा पश्चिम,

खासी पहाड़ियां—793119

मेघालय

13.1.2003 को कुछ बदमाश श्री एस० के० जाना के घर में घुस गए तथा उन पर हमला कर दिया। उनकी धीख—पुकार सुनकर उनकी पत्नी एवं बच्चे दौड़े आए। यह देखकर कि बदमाश उनके कमरों में घुसने की कोशिश कर रहे हैं, कुमारी सिक्यूटीडारिस ने कमरे में पड़ा एक "दाव" उठा लिया तथा डकैतों में से एक के हाथ पर दे मारा जिससे उसकी उंगलियां कट गई। शोरगुल के कारण पड़ोसी उनके घर पर इकट्ठा हो गए तथा डकैत फरार हो गए। डकैतों का मुकाबला करने में कुमारी सिक्यूटीडारिस ने साहस एवं बहादुरी का परिचय दिया।

17. मास्टर अजीत कुमार पी.टी.
पल्लिकमादतिल, पाणिचायम,
डाकघर नेदुंगापरा, जिला एर्नाकुलम-683545
केरल

7.4.2003 को 12 वर्षीय मास्टर सरम कुमार पेरियार घाटी सिंचाई नहर में नहा रहा था तब अचानक तीव्र धारा के साथ वह बहने एवं डूबने लगा। मास्टर अजीत कुमार ने नहर में छलांग लगा दी तथा काफी संघर्ष के बाद उसने मास्टर सरम कुमार को किनारे की ओर खींच लिया तथा उसकी जान बचाई। मास्टर अजीत कुमार पी.टी. ने डूबते हुए लड़के की जान बचाने में बहादुरी का परिचय दिया।

18. कुमारी रामसीना आर.एम.
राजेना हाउस, कुट्टीचल,
तिरुनंतपुरम-695574
केरल

8.04.03 को कुमारी रामसीना एवं उसकी तीन वर्षीय कजिन कुमारी रिजाना अपने घर के सामने खेल रही थीं। तीव्र गति से आती हुई एक कार उनके घर के अहाते से टकराई। यह देखकर कि कुमारी रिजाना कार के रास्ते में खड़ी है, कुमारी रामसीना उसे बचाने के लिए दौड़ी आयी। इसी प्रक्रिया में कार ने कुमारी रामसीना की दाईं टांग को कुचल दिया। हालांकि, कुमारी रिजाना को बचा लिया गया किन्तु कुमारी रामसीना की घुटने से नीचे की टांग को काटना पड़ा। कुमारी रामसीना ने अपनी जान को जोखिम में डालकर एक लड़की की जान बचाने में साहस एवं तत्परता का परिचय दिया।

19. कुमारी चुनेश्वरी कोथालिया
द्वारा श्री मूलचंद कोथालिया,
ग्राम एवं डाकघर पानेका,
जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़

26.04.03 को जब श्री मूलचंद कोथालिया एवं उनकी पत्नी दोनों घर से बाहर काम पर गए हुए थे तब उनके घर में आग लग गई। श्री कोथालिया का 2½ वर्षीय बेटा मास्टर दीपक घर में सोया हुआ था। कुमारी चुनेश्वरी मास्टर दीपक को सुरक्षित घर से बाहर ले आई। आग लगने की स्थिति में बच्चे की जान बचाने में कुमारी चुनेश्वरी कोथालिया ने बहादुरी एवं तत्परता का परिचय दिया।

20. मास्टर रामसाधारण
मार्फत श्री भादर, ग्राम—भालूकाचर,
पोस्ट—दरीमा, ब्लॉक अम्बिकापुर,
छत्तीसगढ़

3.5.2003 को मास्टर अर्जुन तथा मास्टर रामसाधारण पशुओं को चराने के लिए बरनई नदी के तट पर गए। मास्टर अर्जुन पर अचानक एक तेंदुए ने आक्रमण कर दिया। मास्टर रामसाधारण ने तेंदुए पर पत्थर फेंकना और लगातार चीखना—धिल्लाना शुरू कर दिया। तेंदुआ मास्टर रामसाधारण की ओर लपका, लेकिन वे लगातार तेंदुए पर पत्थर फेंकते रहे। एक पत्थर तेंदुए को आ लगा और वह भाग गया। मास्टर रामसाधारण ने अपनी जान की परवाह किए बिना, तेंदुए के आक्रमण से एक लड़के की जान बचाने में साहस और बहादुरी का परिचय दिया।

21. मास्टर असीत रंजन सामल
श्री रबी प्रसाद सामल, (मरणोपरांत)
मुकाम/डाकघर अंगलो
जिला जाजपुर—755035, उड़ीसा

29.5.2003 को, मास्टर असीत रंजन सामल, उनका मित्र श्री देवी प्रसन्ना जेना और उनका कजिन मास्टर अमीत कुमार सामल खरसरोटा नदी में बेगामारा घाट पर स्नान करने गए। स्नान करते समय, मास्टर प्रसन्ना जेना और मास्टर अमीत कुमार सामल दोनों तेज धारा के प्रवाह में बहने लगे और तेज भेंवर में फंस गए। उन्हें डूबते देख, मास्टर असीत सामल तैरते हुए उनकी तरफ गए और उन्हें खतरे से बाहर निकाल लाए। तथापि, अपने प्रयास में थककर घूर हुए मास्टर असीत सामल खुद भेंवर में फंस गए और डूब गए। मास्टर असीत रंजन सामल ने डूबने से दो व्यक्तियों की जान बचाने के प्रयास में असाधारण साहस और बहादुरी का परिचय दिया। तथापि, इस प्रक्रिया में वह अपनी जान गंवा बैठे।

22. मास्टर लालरामदीनथरा
सलेम बोर्डिंग स्कूल (मरणोपरांत)
पो0ओ0 वेस्ट फेलेंग,
जिला ममीत—796431, मिजोरम

12.6.2003 को सलेम बोर्डिंग स्कूल के छात्रावासियों को जरूरी खाद्य-पदार्थ लेने के लिए मेन रोड पर जाना पड़ा। रास्ते में उन्हें तेइपेई नदी को पार करना था जिसमें बाढ़ आई हुई थी। जैसे ही मास्टर लालरामदीनथरा और जोथानपुईया, तेइपेई नदी को तैरकर पार कर रहे थे तभी मास्टर लालरामदीनथरा को अपने मित्र की चीख सुनाई दी जो सहायता के लिए पुकार कर रहा था। उस समय मास्टर लालरामदीनथरा लगभग किनारे के पास पहुंच चुके थे। वह तैरकर अपने मित्र को बचाने के लिए वापिस आए। मास्टर जोथानपुईया ने मास्टर लालरामदीनथरा को कसकर पकड़ लिया इसके फलस्वरूप, तेज धारा दोनों लड़कों को बहा ले गई। हालांकि लालरामदीनथरा एक अच्छे तैराक थे किन्तु दूसरे लड़के द्वारा उन्हें कसकर पकड़ लिए जाने के कारण वे अपने आपको नहीं बचा सके। मास्टर जोथानपुईया को बाद में उसके अन्य मित्रों द्वारा बचा लिया गया, परन्तु मास्टर लालरामदीनथरा को नहीं बचाया जा सका। मास्टर लालरामदीनथरा ने अपने मित्र की जान बचाने के प्रयास में अत्यंत साहस और बहादुरी का परिचय दिया। तथापि, उन्होंने इस प्रयास में अपने जीवन का सर्वोच्च बलिदान दे दिया।

23. मास्टर विवेक पुरकायस्थ
मार्फत श्री एस0 के0 डे,
उल्लूबाड़ी, जी0एस0 रोड,
गुवाहाटी-781007, असम

22.6.2003 को 6 डाकूओं के एक गिरोह ने श्री पुरकायस्थ के घर में संध लगा दी। जब उन्होंने और उनकी पत्नी ने धन और आभूषण देने से इंकार कर दिया तो डाकूओं ने श्रीमती पुरकायस्थ पर तेज हथियार से वार कर उनके सिर को गंभीर चोट पहुंचाई। मास्टर विवेक ने, जो दूसरे कमरे में सो रहे थे, शोरगुल सुना और उस स्थान पर दौड़कर आए और देखा कि उनके पिताजी पर हमला हो रहा है। मास्टर विवेक ने एक डाकू को पकड़ लिया और सहायता के लिए चीख-पुकार की। डाकूओं ने उनको पीटा और चाकू से घायल कर दिया। किन्तु मास्टर विवेक ने उन्हें जाने नहीं दिया। इसी बीच, उनकी धिल्लाहट सुनकर पड़ोसी उनके घर की तरफ दौड़े आए। डाकूओं ने भागने की कोशिश की। तथापि, मास्टर विवेक ने एक डाकू को कसकर पकड़े रखा। पड़ोसियों की सहायता से भागते हुए दो अन्य डाकूओं को भी पकड़ लिया गया। मास्टर विवेक पुरकायस्थ ने डकैती के एक मामले को विफल करते हुए अनुकरणीय साहस और बहादुरी का परिचय दिया और तीन डाकूओं को भी पकड़वाया।

बलरुण मित्रा

(बलरुण मित्रा)

निदेशक

दिनांक, 31 मई 2004

संख्या 98-प्रेज/2004, श्री एस दुर्गराज, कमांडेंट, 10वीं बटालियन, टी.एस.पी., उलूंडरपेट, तमिलनाडु को सराहनीय सेवा के लिए पुलिस पदक प्रदान किए जाने संबंधी भारत के राजपत्र के भाग 1, खंड I में शनिवार दिनांक 21 फरवरी, 2004 को प्रकाशित राष्ट्रपति सचिवालय की 26 जनवरी, 2004 की अधिसूचना संख्या 2-प्रेज/2004 को एतद्वारा निरस्त किया जाता है और पुलिस पदक प्रदान किए जाने से संबंधित नियमों के नियम 8 के अधीन पदक की जब्ती की जाती है।

ब.रुण मित्रा,

(बरुण मित्रा)

निदेशक

PRESIDENT'S SECRETARIAT
New Delhi, the 28th May 2004

No. 99-Pres/2004 - The President is pleased to approve the “**UTTAM JEEVAN RAKSHA PADAK**” award to the under mentioned persons:-

1. SMT. NIRMALA DEVI
VILLAGE PIPLI, P.O. TROH, TEH. SADAR
DISTT. MANDI
HIMACHAL PRADESH

On 17.4.2003, Smt. Nirmala Devi, who was cutting grass near her house, saw Shri Yadvinder Kumar (a shepherd) being attacked by a leopard. Without caring for her personal safety, she rushed there and hit the leopard with her sickle. The leopard left the boy and jumped over her. Smt. Nirmla Devi bravely fought with the leopard & managed to kill it with her sickle. However, in the process, she sustained injuries of serious nature. Smt. Nirmla Devi exhibited exemplary courage and promptitude and saved the life of a boy at a risk to her own life.

2. SHRI NARENDER KUMAR ARYA (POSTHUMOUS)
VILLAGE & P.O. UMARI, PARGANA- DHAMPUR,
THANA-NURPURU, DISTT.- BIJNOR,
UTTAR PRADESH

On 3.5.2000, a fire spread out in a petrol/diesel shop. The wife and the children of the shop owner got trapped in the fire. Shri Narender Kumar Arya who was present at the site rushed to save the persons trapped in the fire. However, in the process, he received severe burn injuries and died. Shri Narender Kumar Arya showed extraordinary courage and bravery in saving the lives of some persons in a fire incident and made the sacrifice of his life in the process.

3. MASTER RIYAZ AHMED
106, KASAIBARA SHARIF, NEAR BAKERY
AMINABAD, LUCKNOW,
UTTAR PRADESH

On 16.1.2003, Master Riyaz Ahmed saw a train approaching on a nearby railway track on which Baby Sazia, daughter of Shri Sabir Ali, was standing. Master Riyaz Ahmed shouted and asked the girl to get away from the track. Shri Riyaz ran to save the girl. However, his foot got trapped in the railway line and he lost both his hands and foot in his attempt to save the life of the girl child. Master Riyaz Ahmed showed courage and bravery in his attempt to save the life of a girl at a risk to his own life and lost his limbs in the process.

4. DRIVER OM PRAKASH

116 ROAD CONSTRUCTION COY (GREF)

On 7.4.2002, 220 Ft Triple-Triple configuration Bailey Bridge which was under construction on Tezu-Hayuliang road collapsed under its own weight. At the time of the accident about 50 persons were present on the bridge. Most of these people went down into the river along with the bridge. About 30-35 persons got trapped in the mass of the collapsed bridge in neck deep water. Driver MT Om Prakash, who was present at the site of the incident along with his OC and few more people got into the action of evacuating people from the bridge towards the bank. He was able to evacuate about 10-15 injured persons. Driver MT Om Prakash showed exemplary courage and saved many human lives by virtue of his bravery.

5. DVR MAHENDER

116 ROAD CONSTRUCTION COY (GREF)

On 24.9.2002, the low tension cables passing over the slide clearance at KM 3.800 on Hayuliang-Changwinti Road snapped. Shri Sando Raika, a casual paid labour, got entrapped in the cables and was in the grip of electric current. Shri Mahender, Driver MT, who was present at the site rushed towards him and removed the laborer by holding the cables with his barrette and a small wooden stick. Shri Mahender immediately took the injured person to the Unit MI Room where he was given first aid and his life was thus saved. Shri Mahender showed courage and bravery of high order in saving the life of a person from electrocution at a risk to his own life.


(Barun Mitra)
Director

No. 100-Pres/2004 - The President is pleased to approve the "JEEVAN RAKSHA PADAK" award to the under mentioned persons:-

1. MASTER ABHINAB GOGOI
VILL- NO.1 CHAULKARA, P.O. KONWERPUR
DISTT. & P.S.- SIVASAGAR, ASSAM

On 20-3-2003, Master Abhinab Gogoi was playing with his cousin, Abhijit Bhuyan, aged 2 years. Master Abhijit Bhuyan accidentally fell into a well full of water. Shri Abhinab Gogoi, without caring for his personal safety, jumped into the well to rescue his cousin. Master Gogoi showed courage & promptitude in saving the life of a child from drowning at a risk to his own life.

2. SHRI MUKESH KUMAR
C/O SHRI CHAJU RAM, GALI NO. 1,
NAI BASTI, HALWAS GATE,
BHIWANI-127021, HARYANA

On 17.3.2003, Shri Mukesh Kumar, a student of P.G. College, Bhiwani, while waiting for his train at Bhiwani Railway Station saw a 5 year old child playing between the Railway lines. Suddenly, he saw a train approaching which was hardly 30 feet away from the child. The child was about to be crushed by the speeding train when Shri Mukesh Kumar immediately rushed to save the child. While he was able to save the child, he himself got seriously injured on his head. Shri Kumar showed exemplary courage and promptitude in saving the life of a child without caring for his personal safety.

3. KUMARI ALKA SHARMA
VPO JANSOOH, TEH. NADAUN
DISTT. HAMIRPUR
HIMACHAL PRADESH

On 7.9.2002, Kumari Monika was on her way to her aunt's house along with her classmate Kumari Alka Sharma. While crossing the Maan Khad, her classmate suddenly got washed in a flash flood. Kumari Alka jumped into the Khad to save her friend. She pulled her friend towards the edge of Khad in an unconscious state. Kumari Alka Sharma showed bravery and courage in saving the life of a girl from drowning by endangering her own life.

4. **SHRI VARGHESE ANTONY**
KALATHIL HOUSE, VEROOR P.O.,
VADAKKEKARA, CHANGANACHERRY,
ALAPPUZHA, KERALA

On 7.3.2001, Master Manu Mathew Thottukadavil, accidentally fell into a deep canal near his School. Kum. Santhi Varghese, a classmate of Master Manu, screamed for help. On hearing the screams, Shri Varghese Antony, a teacher of the school rushed there and jumped into the deep canal without giving a thought to the fact that he did not know swimming. After much effort, he was able to rescue the child from drowning and saved his life. Shri Varghese Antony showed courage and bravery in saving the life of a child from drowning at a risk to his own life.

5. **SHRI P.M. MANI**
PALARIL HOUSE,
P.O.-ASHTAMICHIRA,
THRISSUR DISTRICT, 680731, KERALA.

On 30.5.2002, Master Anoop, a ten year old boy fell into a well. Hearing the cries for rescue, Shri P.M. Mani, a labourer of nearby Ceramic Company, rushed to the spot and jumped into the well to save the boy. Shri Mani got exhausted and was not able to bring the boy out of the well. However, he kept on holding the boy till other people reached and pulled them out of the well. The timely and courageous action of Shri P.M. Mani saved a ten year old boy from drowning.

6. **MASTER AMIT SHANKAR SHRIVASTAVA**
HANUMAN GALI
KAMPU ROAD, LASHKAR
GWALIOR, MADHYA PRADESH
7. **MASTER SUMIT SHANKAR SHRIVASTAVA**
HANU HANUMAN GALI
KAMPU ROAD, LASHKAR
GWALIOR, MADHYA PRADESH

On 4.8.2002, an electric wire fall upon Shri Mukesh Valmiki. The man came in contact with the live wire and received a strong shock in his hand. He started shouting for help. Master Sumit and Master Amit heard his cries & rushed to save the man. They brought a wooden stick each and tried to remove the wire from the man. After continuous efforts, the wire was separated from Shri Mukesh's hand. Master Sumit and Master Amit removed the electric wire with stick and pulled out Shri Mukesh from the Nallah. Master Amit and Master Sumit showed courage and bravery in saving the life of a person from electrocution at a risk to their own lives.

8. SHRI SANJAY BURMAN
H.NO. 26/27 NEAR PADUKA MANDIR,
GWARIGHAT, JHANDA CHOWK,
JABALPUR, MADHYA PRADESH.

On 15.6.2003, while taking bath at Gwarighat, some persons started drowning due to heavy currents in the Narmada river. On hearing their screams for help, Shri Sanjay Burman jumped into the river to rescue the drowning persons. He was able to save four persons one-by-one. Shri Burman showed courage and bravery in saving the lives of four persons from drowning at a risk to his own life.

9. MASTER SATYAM MAHENDRA KHANDEKAR
AL-5-4-3 PANCHDEEP APARTMENTS
SECTOR 17, AIROLI
NAVI MUMBAI-400 708, MAHARASHTRA

On 6.5.2003, Master Satyam alongwith his father went to Rajesh Health Club in Navi Mumbai for swimming. Master Satyam had just completed one month training and was into his initial days of learning swimming.

Suddenly, he noticed a child drowning in the water. Master Satyma immediately jumped into the pool to help the child. He caught hold of him and started pulling him to the staircase simultaneously shouting for help. On hearing his call for help, the coach rushed to the spot and pulled the drowning kid out of water. Master Satyam despite his young age showed exemplary courage and presence of mind in saving the life of a child from drowning.

10. **SHRI ASHOK KUMAR**
GOVIND NAGAR, CAMPBELL BAY,
GREAT NICOBAR ISLAND

On 11.3.2003, passengers from Campbell Bay jetty were being taken to the MV Harshvardhan ship by a small boat attached with a pontoon. The sea was very rough. One passenger Shri Paramjit Singh slipped down in the sea between the ship and Pontoon. Shri Ashok Kumar who was disembarking from the ship jumped into the sea and caught hold of Shri Paramjit Singh and pulled him towards the pontoon and saved his life. Shri Ashok Kumar showed courage and bravery in saving the life of Shri Paramjit Singh at a risk to his own life.

11. **SHRI KAMLA PRASAD**
MILITARY HOSPITAL,
AMRITSAR, PUNJAB

On 29.1.2003, Hav. Kamla Prasad saw that a large crowd had gathered outside his neighbour's house and people were shouting that LP Gas was leaking inside the house. One child was trapped inside the house. Hav Prasad, without giving a second thought to his personal safety entered the house. As soon as he

Entered the room, there was a blast and fire broke into the room. He found the child trapped in the fire. Hav. Prasad immediately picked up the child and shielding him from fire brought him out. In the process, he himself suffered severe burns all over his face, neck, hands and thighs. Hav. Prasad exhibited courage and bravery in saving the life of a child in a fire incident.

12. SHRI PARAMESWARAN MANOKARAN (POSTHUMOUS)
146, NEW COLONY, DODDANNA NAGAR,
KAVAL, BYRASANDRA POST,
BANGALORE-560 032, KARNATAKA

On 7.5.2003 a four-year old girl accidentally fell into a well. On hearing the calls for help, a passer by got into the well to rescue the child. However, that man also got trapped inside the well. Thereafter, Shri Parameswaran heard the cries for help. He immediately took a rope and went down the well to rescue the child and the other person. As he went inside the well, he also came under the influence of fumes present in the well and drowned. Shri Parameswaran Manokaran displayed courage and bravery in his attempt to save the lives of two persons and sacrificed his own life in the process.

13. SHRI DEWANAND TIWARY
LAUNCHER SECTION
2212 SQUADRON, AIR FORCE
C/O 56 APO

On 6.9.2003, Shri Dewanand Tiwary was travelling by Jan Shatabdi Express to New Delhi from Dehradun. While the train was approaching Deoband station, it got derailed. The compartment in which Shri Tiwary was travelling came to a halt on the edge of a bridge upside down after tumbling twice. As the passengers tried to get out in panic, the compartment became imbalanced. Shri Tiwary broke the windowpanes and helped the injured passengers exit one by one. After rescuing passengers he came out last. Shri Dewanand Tiwary showed commendable courage and presence of mind in saving the lives of 20 passengers in a rail accident.

14. MASTER RAM NAYAN YADAV
VILLAGE AARAJI DOOHI,
DHARMUPUR AIHATMALI,
POST DUBOLIYA BAZAR
JANPAD BASTI-272141,
UTTAR PRADESH.

On 4.8.2002, three children Master Kallu, Master Santosh and Master Raghav Ram all below 10 years went to bathe in Ghaghra river. The river was in spate and the children got carried away by the current and started drowning. Master Ram Nayan Yadav, who was working in a field nearby rushed to the spot. He jumped into the river and pulled the children out of the water and saved their lives. Master Ram Nayan Yadav displayed courage and bravery and saved the lives of three boys from drowning.

15. KUM. SURAMYA U.R.
C/O SATHYABAMA, CHERAMKULANGARA,
P.O.- PARUTHIPPULLY, PALAKKAD-678573,
KERALA.

On 12.12.2002, Kum. Akhila had gone for a bath to the nearby canal along with her classmate Kum. Suramya. Kumari Akhila fell into the water & started drowning. Though not an expert swimmer, Kum Suramya jumped into the canal to rescue her classmate. After some struggle, she managed to catch hold of Kum. Akhila's hand and dragged her to the bank of the canal and saved her life. Kum Suramya U.R. showed courage and bravery in saving the life of her classmate at a risk to her own life.

16. KUM SKIEWTIDARIS LYNGKHOI
MARKASA WEST
KHASI HILLS-793119
MEGHALAYA

On 13.1.2003, some miscreants entered the house of Shri S.K. Jana and attacked him. Hearing his screams, his wife and children rushed there. Noticing that the miscreants were trying to enter their rooms, Kum Skiewtidaris picked a "dao" lying in the room and hit one of the dacoits on his hand, cutting off his fingers. The commotion attracted the neighbours to the house and the dacoits fled away. Kum. Skiewtidaris Lyngkhoi showed courage and bravery in fighting the dacoits.

17. MASTER AJITH KUMAR P.T.
PALICKAMADATHIL, PANICHAYAM
P.O.NEDUNGAPRA, DISTT. ERNAKULAM-683545,
KERALA

On 7.4.2003, a 12 year old boy Master Saran Kumar was bathing in the Periyar Valley Irrigation Canal when he suddenly drifted downward along the swift current and started drowning. Master Ajith Kumar jumped into the canal and after struggling hard, he dragged Master Saran Kumar towards the bank and saved his life. Master Ajith Kumar P.T. showed bravery in saving the life of a boy from drowning.

18. KUMARI RAMSEENA R.M.
RAJENA HOUSE, KUTTICAL,
THIRUVANANTHAPURAM-695574
KERALA

On 8.4.2003, Kumari Ramseena and her three year old cousin Kumari Rizana were playing in front of their house. A speeding car dashed into their house compound. Seeing Kumari Rizana in the way of the car, Kumari Ramseena rushed to save her. In the process, the car ran over Kumari Ramseena's left leg. While Kumari Rizana was saved but Kumari Ramseena's leg had to be amputated below the knee. Kumari Ramseena R.M. displayed courage and promptitude in saving the life of a girl at a risk to her own life.

19. KUM. CHUNESHWARI KOTHALIA
C/O SHRI MOOLCHAND KOTHALIA
VILLAGE & P.O. PANEKA
DISTT. RAJNANDGAON, CHHATTISGARH.

On 26.4.2003, a fire broke out in Shri Moolchand Kothalia's house when both he and his wife were away at work. Shri Kothalia's 2 1/2 year old son Master Deepak was asleep in the house. Kumari Chuneshwari Kothalia managed to bring out Master Deepak safely. Kumari Chuneshwari Kothalia displayed bravery and promptitude in saving the life of the child in a fire incident.

20. MASTER RAMSADHARAN
C/O SHRI BHADAR,
VILL- BHALUKACHAR,
POST DARIMA, BLOCK AMBIKAPUR
CHHATTISGARH

On 3.5.2003, Master Arjun and Master Ramsadharan had gone to graze cattle on the banks of river Barnai. Master Arjun was suddenly attacked by a leopard. Master Ramsadharan started throwing stones at the leopard and screamed continuously. The leopard ran towards Master Ramsadharan, who continued to throw stones at the animal. One of the stones hit the leopard and it fled away. Master Ramsadharan exhibited courage and bravery in saving the life of a boy in a leopard attack ignoring the risk to his own life.

21. MASTER ASIT RANJAN SAMAL (POSTHUMOUS)
SHRI RABI PRASAD SAMAL
AT/PO. ANGALO,
DISTT. JAJPUR-755035, ORISSA.

On 29.5.2003 Master Asit Ranjan Samal, his friend Shri Devi Prasanna Jena and his cousin, Master Amit Kumar Samal, went to bathe in the Kharasrota river at Begamara Ghat. While bathing, both Master Prasanna Jena and Master Amit Kumar Samal got swept downstream and were trapped in the strong under-current. Seeing them drowning, Master Asit Samal swam towards them and

managed to pull them out of danger. However, tired by the effort, Master Asit Samal himself got caught in the whirlpool and drowned. Master Asit Ranjan Samal displayed extraordinary courage and bravery in his attempt to save the lives of two persons from drowning. However, he lost his own life in the process.

22. MASTER LALRAMDINTHARA (POSTHUMOUS)
SALEM BOARDING SCHOOL
P.O. WEST PHAILENG
DISTT. MAMIT-796431, MIZORAM

On 12.6.2003, the hostellers of Salem Boarding School had to go to the main road to bring essential provisions. On the way, they had to cross Teivei river, which was in spate. As Master Lalramdinathara and Zothanpuia were swimming across the Teipei river, Master Lalramdinthara heard his friend scream for help when he had nearly reached the bank. He swam back to help his friend who was drowning. Master Zothanpuia grasped Master Lalramdinthara firmly and as a result both the boys were swept away by the strong current. Although Lalramdinthara was a good swimmer yet he could not save himself as the other boy had held him tightly. Master Zothanpuia was later saved by his other friends but Master Lalramdinthara could not be rescued. Master Lalramdinthara showed great courage and bravery in his attempt to save the life of his friend. However, he made the supreme sacrifice of his life in the process.

23. MASTER VIVEK PURKAYASITHA
C/O SHRI S.K. DEY,
ULUBARI, G.S. ROAD
GUWAHATI-781007, ASSAM

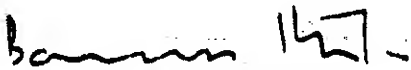
On 22.6.2003, a gang of six armed dacoits broke into Shri Purkayasitha's house. When he and his wife refused to hand over money and ornaments, the dacoits attacked Smt. Purkayasitha with a sharp weapon injuring her severely on the head. Master Vivek, who was sleeping in the next room, heard the commotion and rushed to the spot and saw his father being attacked. Master Vivek caught hold of one of the dacoits and raised an alarm for help. The dacoit

bit him and injured him with a knife but Master Vivek did not let him go. Meanwhile, hearing his screams, neighbours rushed to their house. The dacoits tried to flee. However, Master Vivek, held on to a dacoit tightly. With the help of the neighbours the other two fleeing dacoits were also caught. Master Vivek Purkayasitha showed exemplary courage and bravery in foiling a dacoity case and apprehending three dacoits.


(Barun Mitra)
Director

The 31st May 2004

No. 98-Pres/2004, The Police Medal for Meritorious Service awarded to Shri S. Durairaj, Commandant, 10th BN, TSP, Ulundurpet, Tamil Nadu vide President's Secretariat Notification No. 2-Pres/2004 dated the 26th January 2004 and published in Part I Section I of the Gazette of India dated Saturday, the 21st February, 2004 is hereby cancelled and the medal forfeited under Rule 8 of the Rules governing the award of Police Medal.


(Barun Mitra)
Director